ई-पत्रिका VOL: XII

Green Planet
SINCE 2002

ग्रीन मोर्निंग

मिशन :
धरती माँ को बचाओ

दिसम्बर
2024

पॉवर प्लांट | न्यूटवेट्स | हर्बन्यूट्स | होमडेट्स प्रोडक्ट्स | हर्बकोस

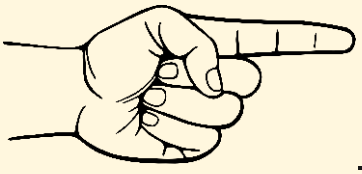

विषय सूची

01 कृषि उत्पाद

02-03 पॉवर प्लांट नाईटोकिंग

04-05 मृदा स्वास्थ्य और उर्वरक प्रबंधन

06 सर्वोत्तम परिणाम

07 हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स

08 लिवोमाईन

09 पशुचिकित्सक की देखभाल

10 स्ट्रेस ऑफ

11 कैनोपी डे

12 दमोह मेला

Green Planet
SINCE 2002

कृषि उत्पाद

पौधों की वृद्धि के लिए संतुलित पोषण

जैविक संरक्षण आपकी फसलों के लिए....

पॉवर प्लांट

नाईट्रोकिंग

पौधों का पोषण:

पौधों को स्वस्थ और तेजी से बढ़ने के लिए कई पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इन पोषक तत्वों को पौधे मिट्टी, पानी और हवा से प्राप्त करते हैं। लेकिन कई बार मिट्टी में कुछ खास पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। पौधों को अच्छे से विकसित और स्वस्थ रहने के लिए उचित पोषण की आवश्यकता होती है। जैसे मनुष्यों और जानवरों को भोजन की जरूरत होती है, वैसे ही पौधों को भी सही पोषण चाहिए। पौधों के पोषक तत्व : पौधों को मुख्य रूप से तीन प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है:

प्रमुख पोषक तत्व (Macronutrients)	नाइट्रोजन (Nitrogen) फॉस्फोरस (Phosphorus) पोटेशियम (Potassium)
माध्यमिक पोषक तत्व (Secondary Nutrients)	कैल्शियम (Calcium) मैग्नीशियम (Magnesium) सल्फर (Sulfur)
सूक्ष्म पोषक तत्व (Micronutrients)	आयरन (Iron) जिंक (Zinc) मैंगनीज (Manganese) बोरॉन (Boron)

PPNK एक जैविक खाद है जिसमें ह्यूमिक एसिड, प्राकृतिक पादप हार्मोन, अमीनो एसिड, ट्रेस तत्व और अन्य पादप पोषक तत्व एक केंद्रित घोल में समाहित होते हैं। यह पौधों को उच्च गुणवत्ता वाले अंतिम उत्पाद जैसे अनाज, फल और सब्ज़ियाँ बड़ी मात्रा में बनाने में सहायता करता है। 16 ट्रेस तत्व हैं जो पौधों की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं|

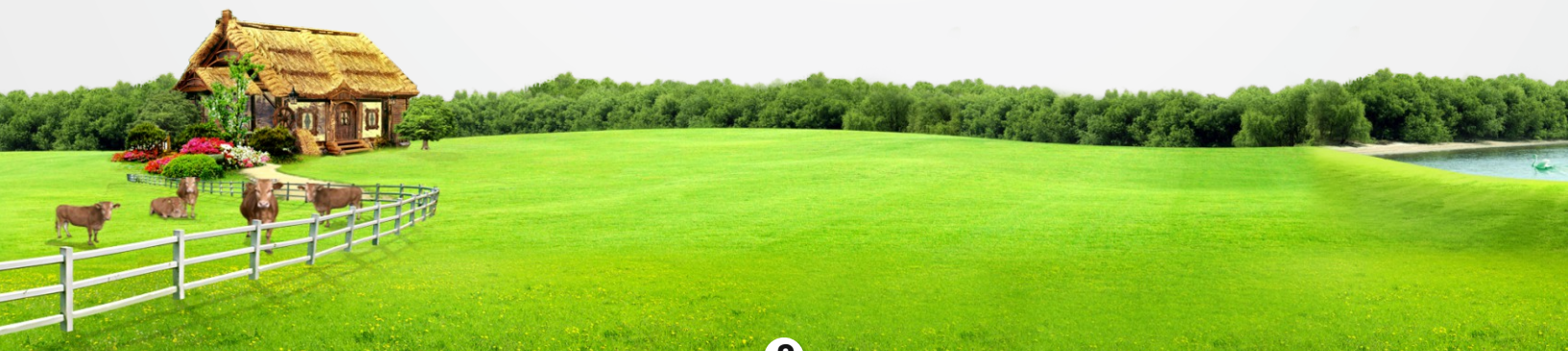

PPNK में कार्बनिक सूक्ष्म पोषक तत्वों, मैक्रोन्यूट्रिएंट्स और सभी आवश्यक अमीनो एसिड की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल है, जो सभी पौधों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं।

लाभ: -

- पौधे की गर्मी, सूखे अंकुरण और फूल जैसे आंतरिक शारीरिक तनाव के प्रतिरोध में सहायता करता है।
- पौधों में मजबूत जड़ों, स्वस्थ पत्तियों, तनों, टहनियों, फूलों और फलों के विकास में सहायता करता है।
- अंकुरण को तेज करता है और बढ़ाता है, साथ ही साथ स्वास्थ्य में सुधार करता है।
- जड़ प्रणाली: जब शुरुआती विकास के दौरान मिट्टी या पत्तियों पर छिड़काव किया जाता है, तो कई क्षेत्र परीक्षणों में पाया गया है कि जड़ निर्माण में महत्वपूर्ण वृद्धि होती है।
- पौधों को उत्प्रेरक एंजाइमों के निर्माण के लिए कई प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती हैं। प्रकाश संश्लेषण से लेकर प्रजनन तक, ये एंजाइम पौधे के विकास के सभी चरणों में आवश्यक होते हैं।
- मिट्टी पर प्रभाव: मिट्टी में लगाए जाने के बाद, यह लाभकारी बैक्टीरिया की गतिविधि को उत्तेजित करता है, जो मिट्टी के माइक्रोफ्लोरा को बेहतर बनाने में मदद करता है।

उपयोग का समय और तरीका नोट:

मिट्टी में ग्रो और ब्लूम के साथ पीपीएनके का उपयोग करते समय, हम संबंधित कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा सुझाए गए रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया, डीएपी और अन्य की खुराक को धीरे-धीरे कम कर सकते हैं।

एक बात ध्यान में रखें

- PPNK का उपयोग सभी प्रकार की फसलों और मिट्टी में किया जा सकता है।
- पावरप्लांट ग्रो, ब्लूम, पीपीएनपी और पीपीएफसी कुछ ऐसे रासायनिक कीटनाशक और उर्वरक हैं जिनका उपयोग पीपीएनके के साथ किया जा सकता है।
- पत्तियों पर छिड़काव के लिए सुझाई गई खुराक।

Green Planet
SINCE 2002

मृदा स्वास्थ्य और उर्वरक प्रबंधन

मृदा स्वास्थ्य (Soil Health) का मतलब है कि आपकी जमीन की उपजाऊ क्षमता और उसमें पोषक तत्वों की सही मात्रा बनी रहे। मिट्टी फसलों के लिए भोजन और पानी का मुख्य स्रोत है। अच्छी मृदा से फसल अच्छी होती है, लागत कम होती है और लंबे समय तक उपजाऊ जमीन बनी रहती है। अगर मिट्टी स्वस्थ होगी, तो फसलें भी अच्छी होंगी और पैदावार बढ़ेगी। मिट्टी की सेहत खराब होने पर फसलों की गुणवत्ता और मात्रा दोनों कम हो सकती हैं।

मिट्टी की सेहत को कैसे जानें?

- **मिट्टी की जाँच** (Soil Testing): यह पता लगाने के लिए जरूरी है कि मिट्टी में कौन-कौन से पोषक तत्व कम हैं। पास के कृषि केंद्र में जाकर मिट्टी का सैंपल देकर उसकी जाँच करवा सकते हैं। इससे आपको पता चलेगा कि कौन से पोषक तत्व (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश आदि) मिट्टी में कम हैं।
- **मिट्टी का रंग और बनावट देखें:** उपजाऊ मिट्टी का रंग गहरा और ढीला होता है।
- **कीड़ों की संख्या:** अगर मिट्टी में केंचुए और दूसरे सूक्ष्म जीव ज्यादा हैं, तो मिट्टी स्वस्थ मानी जाती है।
- **फसल चक्रीकरण** (Crop Rotation): हर बार एक ही फसल लगाने से मिट्टी कमजोर हो जाती है। अलग-अलग फसलें लगाएं, जैसे गेहूं के बाद दलहन (चना, मूंग) या तिलहन (सरसों, सोयाबीन)आधि।
- **जैविक खाद का उपयोग** (Use of Organic Fertilizers): गोबर खाद, वर्मीकंपोस्ट, और हरी खाद (ग्रीन मैन्योर) का इस्तेमाल करें। इससे मिट्टी की गुणवत्ता और पानी रोकने की क्षमता बढ़ती है।
- **मल्चिंग** (Mulching): फसल अवशेष (पराली) या सूखी घास मिट्टी पर बिछाकर रखें। यह नमी को बनाए रखता है और मिट्टी को ठंडा रखता है।
- **जल संरक्षण** (Water Conservation): खेत में जल का सही उपयोग करें। जरूरत से ज्यादा पानी देने से मिट्टी खराब हो सकती है। ड्रिप सिंचाई जैसी पद्धतियां अपनाएं।

उर्वरक प्रबंधन के उपाय:

1.उर्वरक का सही उपयोग करें:ज्यादा खाद डालने से मिट्टी खराब हो सकती है। मृदा परीक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें।

2.संतुलित उर्वरक (Balanced Fertilizers):सिर्फ यूरिया ही नहीं, बल्कि डीएपी, पोटाश और सूक्ष्म पोषक तत्वों (जिंक, बोरॉन) का भी सही मात्रा में उपयोग करें।

3.जैविक और रासायनिक खाद का संतुलन:

जैविक खाद और रासायनिक उर्वरकों को मिलाकर इस्तेमाल करें। सिर्फ रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर न रहें।

4.समय पर खाद डालें: सही समय पर खाद डालें, जैसे बुवाई के समय या फसल की बढ़त के दौरान।

लाभ:

- फसल की पैदावार में वृद्धि।
- खेती की लागत में कमी।
- मिट्टी की गुणवत्ता और नमी बनी रहती है।
- लंबे समय तक खेत की उपजाऊ शक्ति बरकरार रहती है।

किसान भाई-बहनों के लिए संदेश:

अपनी मिट्टी को समझें, उसे पोषण दें, और सही प्रबंधन अपनाएं। मृदा स्वस्थ रहेगी, तो आपकी फसलें भी बेहतरीन होंगी।

Green Planet
SINCE 2002

सर्वोत्तम परिणाम

तुकाराम श्रीपती डुटाल

मेरा नाम तुकाराम श्रीपती डुटाल है। मैं चिंचोली ब, जिला लातूर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ । मैंने गन्ने की फसल के साथ–साथ मिर्ची, बेंगन, भिंडी, टमाटर , खीरा, सूरजमुखी फुल अपने खेत में लगाये हुए है । जिसमे मैं ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रॉडक्टस का इस्तेमाल कर रहा हूँ। मैंने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स भुमी पॉवर,ग्रो,नाईट्रोकिंग,ब्लूम, PPFC, स्प्रेड ऑल–90का इस्तेमाल कर रहा हूँ। मुझे फसलों में अच्छे रिझल्ट मिले।गन्ने की मोटाई , लम्बाई , रंग और वजन में अच्छे परिणाम मिले द्य फसल की बिमारियों में भू बचाव रहा है । मुझे फूलो का रिजल्ट भी बहुत अच्छा मिला है फूलो का आकार बढ़ा है और फूलो कि मात्रा भी बढ़ी है । वैसे ही मिट्टी में भी बदलाव होने लगा जैसे की मिट्टी का झिरझिरा पण बढ़ गया है, केचुओ की संख्या बड गई, मित्र जीवाणु बड गये, फसल पर बिमारिया कम हो गई । मैं सब किसान भाइयो को यही बोलूगा आप सब भी ग्रीन प्लैनेट के मिशन धरती माँ को बचाओ के साथ जुड़े और अपनी खेती को उपजाऊ बनाए। धन्यवाद्।

मोहन महादेव गर्जे

मेरा नाम मोहन महादेव गर्जे है। मैं गाँव – सावरगाव, बार्शी, सोलापूर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ। मैं पिछले 4 सालो से ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल अपनी खेती अंगुर, तरबूज, प्याज और बहुत सारे फसलों पर कर रहा हूँ। मुझे रसायनिक खेती के दुष्ट परिणामों जैसे की, मिट्टी की उपजाऊ ताकत कम होना, दिन व दिन लागत बढना , केचुओं की संख्या कम होना, फसल की बीमारियों बढ़ना , जहरीला अनाज, इन सब के बारें में पता था, इसलिए मैं आर्गेनिक खेती करना चाहता था। एक दिन मुझे किसान ने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स के बारे में बताया और मैंने ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स– प्रीमियम , भूमी– पॉवर, एस.टी. , ग्रो, नाईट्रोकिंग, ब्लूम, स्ट्रेस आऊट, पी.पी एफ.सी, ऑर्गोमाईट, वायरोसोल, स्प्रेड ऑल–90 प्रोम, पोटाश इस सब प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू किया। प्याज की फसल कीं क्वालिटी और साईज बढिया मिली और रेट भी अच्छे मिल रहा हैं। जब अंगुर की फसल पर ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया था, तो शुरुवात से ही ग्रोथ बहुत अच्छी मिली , एक गुछे का वजन लगभग 1-5 kg से 2-5 kg तक मिला। जबसे मैंने अंगुर की फसल में ग्रीन प्लैनेट ऑरगॅनिक प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू किया, तब से पहले साल मे मुझे 1-5 एकड़ में 30 टन उपज मिली, दुसरे साल में 32 टन , तिसरे साल में 37 टन और चौथे साल में 40 टन उपज मिला। हर साल 3 से 4 टन उपज बढ़ रही हैं। जैसे मुझे फसलों में अच्छे रिझल्ट मिले। वैसे ही मिट्टी में भी बदलाव होने लगा जैसे कि मिट्टी का झिरझिरापण बढ़ गया। केचुओं संख्या बढ़ गई, मित्र जीवाणू बढ़ गये, फसल पर बिमारिया कम आ रही हैं, कम स्प्रे में भी फसल अच्छी होती हैं। पिछले 4 सालों के लगातार इस्तेमाल के कारण।खर्च तो कम हो रहा हैं, मगर जमीन भी उपजाऊ बन गई हैं, साथ में पौष्टिक और बगेर जहरीला आहार भी मिल रहा हैं, ऑरगॅनिक खेती का पर्यावरण को भी कोई नुकसान नही हैं। इसलिए मैं किसानों से अनुरोध करता हूँ। कि आप भी ग्रीन प्लैनेट के मिशन धरती माँ को बचाओ के साथ जुड़े और जैविक खेती की शुरुवात करें, ताकि हम सब सुखी जीवन जी पायें धन्यवाद।

Green Planet
SINCE 2002

हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स

- आयुर्वेदिक
- पर्सनल केयर
- फ़ूड सुपप्लिमेंट्स
- ब्यूटी केयर
- एँफ़ एम् सी जी

हर्बन्यूट्स®

लिवोमाईन

लिवर टोनिक

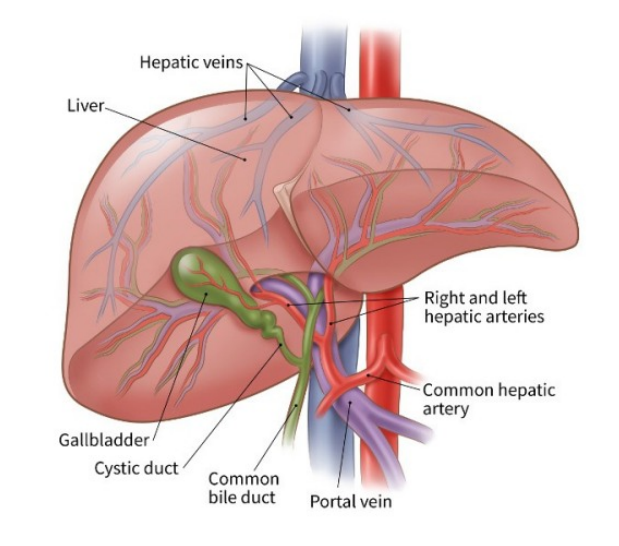

जिगर सुधारात्मक और सुरक्षात्मक

मनुष्य शरीर के सबसे बड़े अंगो मे से जिगर एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है, जिसका काम बहुत ही मुख्य माना जाता है। जिस प्रकार दिल और फेफड़ों के बिना मनुष्य ज़िन्दा नही रह सकता ऐसे ही जिगर के बिना जीवित रहना नामुमकिन है। अब बात करते हैं Liver के काम के बारे मे, जिगर शरीर में से विषैले पदार्थों को निषकासित करने में मदद करता है। इसके इलावा इससे निकलने वाला श्रनपबम खाने को सही ढंग से पचाने में मदद करता है।

Antibiotic और अन्य तेज़ दवाईयों के दुष्प्रभाव को कम करने में मदद करता है। यह तैलीय, जंक खाने के दुष्प्रभाव को कम करने में भी मदद करता है। शरीर की Immuity को बनाए रखने में और बढ़ाने में सबसे बड़ा काम Liver का ही है। यह सब फायदे हमे तब तक ही मिलते हैं जब तक हमारा Liver Normal काम करता है।

अगर आपको भी कुछ समस्याएं आ रही है जैसे कि :

- त्वचा और आँखों में पीलापन।
- पेट में दर्द व सूजन।
- पैरों में सूजन।
- त्वचा में खुजली।
- मूत्रा का गहरा रंग।
- गहरे रंग का मल या मल में खून आना।
- अधिक थकावट होना।
- मतली और उल्टी।
- भूख कम लगना।

तो हो जाईए सावधान क्योंकि आपको भी ज़िगर की होने वाली बिमारीयों के लक्षण हो सकते हैं। अगर इनका सही समय पर उपचार न हो तो यह भयंकर जानलेवा बिमारीयों का रुप भी धारण कर सकती है। जैसे कि : **पीलिया।**

लाभ:

1. लीवर की कोशिकाओ को बनाने मे मदद करता है।
2. *Alcohol* के कारण लीवर को होने वाले नुकसान से बचाने मे मदद करता है।
3. *Haemoglobin* के स्तर मे सुधार लाने मे मदद करता है।
4. लीवर की *Functional Efficiency* मे सुधार लाकर *Livomine* भूख को *Balance* करने मे भी मदद करता है।

सेवन विधि - 5 साल से कम बच्चो को न दे। 5 साल से ज्यादा उम्र *5ml.*
18 साल से ज्यादा उम्र *10ml. एक* दिन में *दो बार खाना खाने के बाद ले।*

न्यूटवैट्स®

पॉवर मिल्क

पशु स्वास्थ्य

Enriched with Vitamin A, Nilofar and Shatavri Extracts

यह दूध की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार में सहायता करता है।

पशुधन और मुर्गीपालन के लिए पूरक महसूस करें।

न्यूटवैटस®

स्ट्रैस ऑफ

स्ट्रैस ऑफ तनाव सामान्य तौर पर पशु का प्रतिकूल वातावरण में एक्सपोजर के परिणमस्वरूप बदल रहे लक्षण के रूप में दिया जाता है।

लाभ:

- यह Dehydration , उल्टी, दस्त और अन्य बीमारीयों से शरीर में खोए हुए आवश्यक तरल पदार्थों को पूरा करने में मदद करता है।
- यह उन पशुओं के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है जो ठीक से खा-पी नहीं सकते।
- यह कुपोषित पशुओं में तेजी से ऊर्जा लाने में मदद करता है।
- यह रक्त और ऊतकों में सामान्य तरल पदार्थों के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

प्रयोग विधि:

मुर्गी पालन - 1 gm Per /Ltr.पानी
पशु पालन - (गाय, भैंस, घोड़ा) 100-200gm./ Day
छोटे पशुओं के लिए - 20-30gm/Day

GREEN PLANET
Mission - Save The Mother Earth
Toll Free : 1800 137 4699
GREEN PLANET
WELCOME TO THE MISSION
SAVE THE MOTHER EARTH...!
ALL PRODUCTS
Power Plant - Nutrition | Power Plant-Protection
Homedets | Neutvets | Herbneuts | Herbcos
Vet Care Products
Solution for your Cattle needs
TOLL FREE : 1800 137 4699
www.greenplanetindia.com

GREEN PLANET
ALL PRODUCTS

GREEN PLANET
Mission - Save The Mother Earth
Toll Free : 1800 137 4699
ALL PRODUCTS
Vet Care Products

GREEN PLANET
Mission - Save The Mother Earth
Toll Free : 1800 137 4699
Vet Care Products

GREEN PLANET
Mission - Save The Mother Earth
Vet Care Products

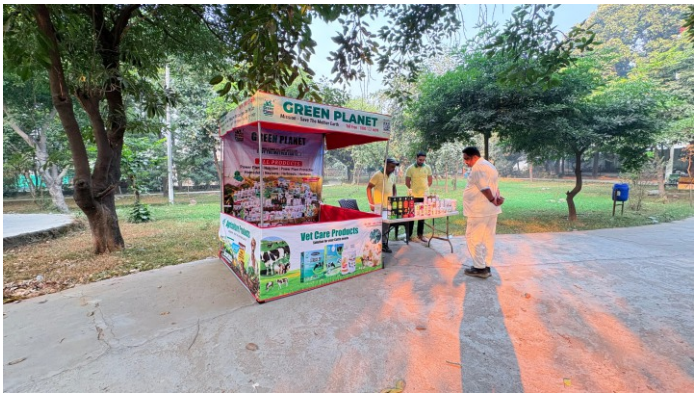
GREEN PLANET
Vet Care Products

Green Planet
SINCE 2002

दमोह मेला

Green Planet
SINCE 2002

ग्रीन प्लैनेट बायो प्रोडक्ट्स

जी.पी पॉवर,1-अमर गार्डन नियर पठानकोट चौक जालंधर -पंजाब (144004.)

Customercare@greenplanetindia.com || www.greenplanetindia.com

Toll Free No : 1800-137-4699